मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

बेगम हज़रत महल गर्ल्स हॉस्टल ने भव्य और जोशीला वार्षिक दिवस मनाया

नई दिल्ली, जून 3, 2025

25 मई, 2025 को आयोजित जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) में बेगम हज़रत महल गर्ल्स हॉस्टल का वार्षिक दिवस रचनात्मकता, प्रतिभा और कम्युनिटी का जोशीला उत्सव था। इस कार्यक्रम में एकता और उत्कृष्टता की भावना को दर्शाया गया जो जेएमआई के लोकाचार को परिभाषित करता है, जो छात्रावास के छात्रों को अपनी विविध प्रतिभाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

जेएमआई के माननीय कुलपति, प्रो. मज़हर आसिफ़ ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई, साथ ही जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने भी मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में भाग लिया। उनके परिवारों के साथ उनकी सम्मानित उपस्थिति ने शाम को गरिमा और महत्वपूर्ण बना दिया। इस कार्यक्रम में डीन, चीफ प्रॉक्टर, लाइब्रेरियन, प्रोफेसर-इन-चार्ज, विभागाध्यक्ष, प्रोवोस्ट, वार्डन और निदेशक भी शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान के भावपूर्ण पाठ से हुई, जिसके बाद 'जामिया तराना' के प्रेरक नोट्स ने सभी उपस्थित लोगों में गर्व और एकता की भावना भर दी। छात्रावास की प्रोवोस्ट प्रो. नीलोफर अफजल ने गर्मजोशी से स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बेगम हज़रत महल गर्ल्स हॉस्टल सिर्फ आवास से कहीं अधिक है- यह एक ऐसा स्थान है जो चरित्र का निर्माण करता है, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है और पहचान की मजबूत भावना को बढ़ावा देता है।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने अपने-अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर शाम के समारोह की शुरुआत करते हुए औपचारिक दीप प्रज्वलित किया और ज्ञान और सामूहिक विकास के प्रकाश का प्रतिनिधित्व किया।

अपने मुख्य भाषण में, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने छात्रों की ऊर्जा और उत्साह तथा कार्यक्रम के शानदार आयोजन की सराहना की। उन्होंने छात्रावास की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसमें न केवल आश्रय प्रदान किया जाता है, बल्कि एक समग्र वातावरण प्रदान किया जाता है, जो शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में सहयोग करता है। शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने छात्रों से विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए संसाधनों और अवसरों का पूरा उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "जेएमआई जैसे संस्थान अपनी मजबूत सामुदायिक भावना के कारण फलते-फूलते हैं, और इस तरह के आयोजन उस एकता और प्रगति का जश्न मनाते हैं।"
अपने अध्यक्षीय भाषण में, प्रो. मज़हर आसिफ़ ने आत्मविश्वासी, सशक्त और जिम्मेदार नागरिकों को आकार देने में शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में भावुकता से बात की। उन्होंने राष्ट्र निर्माण और समाज में महिला नेतृत्व के महत्व पर जोर दिया, नारी शक्ति को प्रगतिशील विकास की आधारशिला के रूप में उजागर किया।

उर्दू भाषा और इसकी सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि पर विचार करते हुए, प्रो. आसिफ़ ने महिलाओं की ताकत, अनुग्रह और लचीलेपन के संदर्भ में भावपूर्ण दोहे साझा किए। उन्होंने कहा, "'जननी' शब्द

- जिसका अर्थ है जन्म देने वाली - स्त्रीलिंग से लिया गया है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि सृजन, ज्ञान और शक्ति में नारीत्व कितनी गहराई से निहित है।"

उन्होंने छात्रों को अपनी अनूठी शक्तियों को अपनाने, आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने और नेतृत्व और सेवा की मशाल को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने छात्रावास के अनुभवों को भी याद किया, यह देखते हुए कि कैसे इस तरह के साझा स्थान यादें और दोस्ती बनाते हैं जो जीवन भर बनी रहती हैं।

संगीत और नृत्य से लेकर नाटकीय अभिव्यक्तियों तक के सांस्कृतिक प्रदर्शनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, छात्रावास के छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को और विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समृद्धि को उजागर किया।

कुलपति, रजिस्ट्रार और उनके परिवारों को सम्मान के प्रतीक के रूप में स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। दोनों गणमान्य व्यक्तियों के हस्तनिर्मित चित्र भी उपहार में दिए गए, और एक प्रतिभाशाली छात्र कलाकार को उनके कलात्मक योगदान के लिए एक विशेष स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। शाम का एक खास पल छात्रावास के वार्षिक समाचार पत्र 'वर्व' का औपचारिक विमोचन था, जिसकी घोषणा कुलपति ने वर्ष 2024-25 के लिए की थी, जिसमें वर्ष की मुख्य बातें और उपलब्धियाँ शामिल थीं।

आवासीय कोचिंग अकादमी (RCA) के सफल छात्र, छात्रावास के कलाकार, प्रोवोस्ट, डिप्टी प्रोवोस्ट और वार्डन को उनके योगदान और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। पूरे शैक्षणिक वर्ष में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया और उनके प्रयासों और उत्कृष्टता का जश्न मनाया गया।

छात्रावास की छात्रा ज़ैना अमन ने कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए गणमान्य व्यक्तियों, आयोजकों, कलाकारों और दर्शकों की हार्दिक सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। शाम का समापन एक साझा रात्रिभोज के साथ हुआ, जिसमें चिंतन, उत्सव और संगति का अवसर मिला।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया